f/4f /Aw j/age, *some hon. Members left the Chair]*

Development and propagation of Sanskrit

*261. SHRI KRISHAN LAL SHARMAf:

SHRl PRAMOD MAHAJAN:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) What are the various schemes for the development and propagation of Sanskrit language and also for gainful employment of Sanskrit students, at par with other graduates and post graduates;

tThe question was actually asked on the floor of the House by Shri Krishan Lai Sharma.

(b) what is the state-wise progress under each scheme in each of the last three* years and the current year so farj

(c) whether there is any Scheme to teach Sanskrit through radio/television; and

(d) if so, the details thereof, if not$_f$ the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI CHIMANBHAI MEHTA): (a) and (b) Two statements are laid on the Table of the House.

(c) and (d) No, Sir. There is no proposal under consideration of the Government to introduce Sanskrit teaching through television. However All India Radio broadcasts lessons for teaching Sanskrit language on 25 stations.

Statement-I

Expenditure for the last three years and also in the current financial year, under the various schemes which are being implemented in the Ministry for the development and propagation of Sanskrit and gainful employment to Sanskrit Scholars.

(Rs. in lakhs)

	N ame of the Schemes	1987-88	1988-89	1989-90	1990-91
		Exp.	Exp.	Exp.	Exp. till date
	1	2	3	4	5
1.	Financial Assistance to Voluntary Organisations working for the propagation and development. of Sanskrit.	59. 41	53. 34	59. 99	14. 34
2.	Grants to Adarsh Sanskrit] Pathshala/Sodh Samsthas.	50. 97	58. 41	75. 00	18. 50
3.	Grants to Rashtriya Sanskrit Sansthan. in	2. 70 (crores)	2. 83 (crores)	3. 00 (crores)	65. 00 (lakhs)
4.	Grants to Sanskrit Dictionary Project, Deccan ' College, Poona	7. 37	13. 45	14. 25	3. 00
5.	Grants to Rashtriya Sanskrit Vidyapeeth, Tiru pati.			6. 00	12. 00
6.	Grants to Shri Lai Bahadur Shastri \ Rashtriya Sanskrit Vidyapesth, New Delhi.			6. 95	12. 00

	1	2	3	4	5
7.	Production of Sanskrit Literature besides purchase and publication of rare manuscripts.	25. 59	31. 12	26. 32	5. 86
8.	Special Orientation COUISJS to P. G. studies in vocational disciplines like paleography, epigraphy etc..	2. 59	2. 56	4. 37	Nil
9.	Preservation of oral tradition of Vedic recita-	3. 82	3. 94	2. 15	Nil
10.	Holding Elocution contest and Vedic Con vention •.....	1. 25	2. 14 (1. 15+ 0. 99)	3. 95 (2. 58+ ' 1. 37)	Nil
11.	Vedic Endowment	50. 00	45. 00	62. 20	33. 00
12.	Financial Assistance for eminent elc'srly Sanskrit scholars in Adarsh Sanskrit Patushala and other voluntary organisations.	5. 98	7. 96	7. 80	Nil

y

4

Statement-II

State-wise expenditure for the last thne years and also in the current finacial year for the development and propagation of Sanskrit and gainful employment to Sanskrit students (that is under the "Scheme of Development of Sanskrit" implemented through states.

(Rupees in Lakhs)

Sl. 'N	*0.* Name of State	Actual expenditure incurred during			
		1987-88	1988-89	1989-90	1990-91
1	2	3	4	5	6
1	Andhra Pradesh. . . .	1. 85	2. 10	1. 95	
2	Assam	1. 86	2. 71	2. 78	
3	Bihar. '....	3. 57	5. 13	5. 20	
4	Gujarat	0. 32	0. 26	0. 26	
5	Haryana.....	0. 08	0. 11	0. 11	
6	Himachal Pradesh..	0. 04	0. 42	0. 24	1. 00
7	Jammu & Kashmir...,	0. 26	0. 34	0. 38	
8	Karnataka.	7. 90	11. 90	14. 78	
9	Kerala..	1. 78	2. 85'	2. 54	
10	Madhya Pradesh.	0. 52	0. 76	0. 76	
11	Maharashtra.	0. 62	0. 98	0. 38	
12	Manipur	0. 20	0. 36	0. 31	
13	Meghalaya...	0. 06	. 0. 08	0. 08	
14	Orissa.	1. 38	1. 69	•2. 72	

1	2	3	4		
15	Punjab.	0. 02	0. 08	0. 86	
16	Rajasthan	0. 70	2. 26	2. 22	
17	Tamil Nadu.	5. 07	7. 45	7. 68	
18	Tripura	1. 02	1. 76	1. 29	
19	Uttar Pradesh	2. 77	3. 55	3. 76	
20	West Bengal	4. 05	6. 16	6. 22	
21	Nagaland	0. 20	0. 20	0. 20	
22	Goa..	0. 06	0. 12	0. 11	0.
	TOTAL:	34. 33	51. 27	54. 83	1.
	Names of UTs				
1	Delhi..	0. 55	0. 36	0. 50	
2	Dadra & Nagar Haveli <..	0. 05	0. 06	0. 02	
3	Pondicherry	0. 02	0. 07	0. 07	
4	Chandigarh	0. 07			
	TOTAL:	0. 69	0. 49	0. 59	
	GRAND TOTAL:	35. 02	51. 76	55. 42	l.

श्री कृष्ण लाल शर्मा : सभापति महोदय, मैं आज अपने प्रश्न के बारे में यह बताना चाहता हूं कि संस्कृत के बारे में मेरा प्रश्न बहुत ही महत्वपूर्ण है । संस्कृत के बारे में सारे देश में, हम यह कह सकते हैं कि अंग्रेजी और भारतीय भाषाओं का कभी-कभी कुछ विवाद खड़ा होता है लेकिन संस्कृत के बारे में कभी विवाद खड़ा नहीं हुआ । इसलिए संस्कृत को ज्यादा से ज्यादा प्रोत्साहन मिले इस दृष्टि से मैंने यह प्रश्न किया है । मेरा मंत्री महोदय से पहला पूरक प्रश्न यह है (क) क्या यह सत्य है कि पिछली सरकार ने संस्कृत को केन्द्रीय विद्यालयों से हटाने का एक निर्णय लिया था, उसकी चेष्टा की थी और इसके बाद केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने भी ऐसी ही कोशिश की थी ? मेरा (ख) प्रश्न यह है कि क्या यह सत्य है कि इसके विरोध में सुप्रीम कोर्ट में एक पेटीशन दायर की गई थी और सुप्रीम कोर्ट ने इस पर स्टे दिया था और स्टे के बाद आज क्या परिस्थिति है केन्द्रीय विद्यालयों में और माध्यमिक विद्यालयों में, यह बताना पड़ेगा ? मेरे प्रश्न का भाग (ग) यह है कि क्या यह सत्य है कि इस नयी सरकार के आने के बाद 8 वकीलों का एक दल गठित किया गया है जो सुप्रीम कोर्ट में स्टे को वैकेट कराने के लिए कोशिश कर रहा है क्या मंत्री महोदय यह आश्वासन देंगे कि

संस्कृत के बारे में यह जो अवहेलना हो रही है तथा सुप्रीम कोर्ट से इन वकीलों के दल द्वारा स्टे को वेकेट कराने के बजाय अपनी पूरी कोशिश से केन्द्रीय विद्यालयों और माध्यमिक शिक्षा केन्द्रों में संस्कृत को लागू करने के बारे में सरकार कोई आश्वासन देगी ? यह मेरा पहला पूरक प्रश्न है ।

श्री चिमन भाई मेहता : सभापति महोदय, इन्होंने संस्कृत के प्रसार के बारे में **(व्यवधान)**

श्री सभापति : इन्होंने तो स्पेसेफिक प्रश्न पूछा है, आप स्पेसेफिक जवाब दीजिए।

श्री चिमन भाई मेहता: यह इस प्रश्न से डायरेक्ट अराइज़ नहीं होता है।

श्री सभापति : प्लीज, अराइज होता है। मेरा फैसला है, आप उनके प्रश्न का उत्तर दीजिये।

श्री चिमन भाई मेहता : आप कहते हैं तो...

श्री सभापति : वह तो आपका मानना ही पड़ेगा ।

श्री चिमनभाई मेहता : उसमें बात ऐसी है कि स्टे मिल गया है।

श्री सभापति : उन्होंने पहला प्रश्न यह पूछा कि जो केन्द्रीय विद्यालय हैं उनमें जो संस्कृत हटाने का प्रयास था या उसे आप समाप्त कर रहे हैं । या उसको वहां पर वैसे ही चलने देंगे या नहीं । मैं उनकी बात आपसे संक्षेप में कह रहा हूं।

श्री चिमन भाई मेहता : अभी एक संस्कृत को तीसरी लैंग्वेज से प्रवेश देने के लिए कोशिश नहीं की जा रही है। अभी दो ही लैंग्वेजेज का प्रबन्ध हुआ है, हिन्दी और अंग्रेजी ।

श्री सभापति : तो संस्कृत के लिए प्रबन्ध करने का आपका अभी कोई विचार नहीं है ?

श्री चिमन भाई मेहता : वह तो हमारे एटीट्यूड के बारे में पूछा है।

श्री सभापति : क्या ऐसा कोई विचार नहीं है ?

श्री चिमन भाई मेहता : वह तो सोचा जा सकता है ।

श्री सभापति : सोचा जा सकता है और दूसरा जो न्यायालय ने निर्णय दिया कि यह सेकेंडरी बोर्ड के इम्तहान से संस्कृत को हटाने के लिए जो स्टे दिया है इसके लिए क्या शासन ने वकीलों का कोई दल स्थापित किया है जो इसके विरोध में सुप्रीम कोर्ट में खड़ा होगा । उनका कहना यह भी है कि इसका जो विरोध हैं क्या उसको समाप्त करने के लिए आप सोच रहे हैं ?

श्री एन० के० पी० साल्वे : सभापति महोदय, आप एक रिफ्रेशर कोर्स चलाएं तो बहुत अच्छा होगा। **(व्यवधान)**

श्री माखन लाल फोतेदार : आप लिख कर के भेज दीजिये **(व्यवधान)**

श्री सभापति : वह सब समझ गये हैं। चिमन भाई सब समझ गये हैं, अब उनका जवाब देंगे।

श्री चिमन भाई मेहता : सुप्रीम कोर्ट में जाने का डिसिजन इस सरकार ने तो लिया नहीं था ।

श्री सभापति : यह सरकार क्या करने वाली है, यह आप बताइये।

श्री चिमन भाई मेहता : मैंने कहा कि हम सोच रहे हैं । आपने कहा है तो पूरी गम्भीरता से **(व्यवधान)**

श्री सभापति : मैंने नहीं कहा, यह उनका प्रश्न है। मैंने कुछ नहीं कहा है।

श्री चिमन भाई मेहता : उनका प्रश्न है तो मैं यह कहना चाहता हूं कि हम गम्भीरता से सोचेंगे और सोच-विचार कर के बताएंगे। **(व्यवधान)**

श्री अजीत जोगी : आपने वकीलों का दल गठित किया है (**व्यवधान**)

श्री सभापति : आपने जो वकील का दल गठित किया है स्टे को वैकेट कराने के लिए उस पर भी सोचेंगे कि 8 के 16 किये जाएं या 4 किये जाएं या खत्म कर दिया जाए ?

श्री चिमन भाई मेहता : कुछ कार्यवाही चल रही है, अभी मैं इतना ही कह सकता हूं।

श्री सभापति : कार्यवाही चल रही है, प्लास-माइनस।

श्री चिमन भाई मेहता : स्टे को वेकेट करवाने के लिए (**व्यवधान**)

श्री सभापति : उसका प्रयास आप जोर से कर रहे हैं ?

श्री चिमन भाई मेहता : कुछ बातें तो पुरानी सरकार की चल रही हैं।उसको हम दुबारा सोचेंगे । That is the only point I am saying.

श्री कृष्ण लाल शर्मा : मंत्री महोदय को स्पष्ट बताना चाहिए कि उन्होंने जो वकीलों का दल गठित किया है वह क्या कर रहा है ? क्या स्टे वैकेट करवाने के लिए कोशिश कर रहा है या अपने केस को वापस लेकर, पिछली सरकार ने जो गलती की थी उसको सुधारने की कोशिश कर रहा है ?

श्री मोतीलाल फोतेदार : मंत्री महोदय को तो यहां भी वकील की जरूरत है।

श्री दीपेन घोष : आप वकील हो जाइयेगा क्या ?

श्री सभापति : वे आपके सहयोगी दल के हैं जिनके बल पर खड़े हैं वे कुछ पूछ रहे हैं।

श्री चिमन भाई मेहता : मैंने इसलिए कहा कि हम सोचेंगे और जरूर बताएगे। संस्कृत के बारे में पाजिटिव व्यू रखते हैं उसी हिसाब से सोचेंगे।

श्री अजीत जोगी : वकीलों के दल के बारे में कुछ नहीं बताया जो आपने वकीलों का दल गठित किया है ।

SHRI CHIMANBHAI MEHTA: If you have permitted him, I will answer.

श्री सभापति : वही तो शर्मा जी ने पूछा है।

श्री चिमन भाई मेहता : वह किया गया है। वह तो मैंने कहा कि ... (**व्यवधान**)

श्री कृष्ण लाल शर्मा : अभी मंत्री जी पूरा जवाब नहीं दे पाए हैं । मैं आपसे संरक्षण चाहता हूं कि आप मंत्री महोदय को कहें कि इस पर पूरा विस्तृत स्पष्ट उत्तरदें ... (**व्यवधान**) चाहे इनको समय चाहिए या जब भी दें (**व्यवधान**)...

एक माननीय सदस्य : अगले हफ्ते इसी रोज दें।

श्री कृष्ण लाल शर्मा : मेरा दूसरा पूरक प्रश्न है, क्या मंत्री महोदय यह बताएंगे कि देश भर में संस्कृत के जो अध्यापक या प्राध्यापक हैं उनको विद्यापीठों, स्कूलों या कालेजों में जो स्थान दिया जा रहा है क्या उनको वैसे ही ग्रेड्स दिये जाते हैं जैसे अंग्रेजी या हिन्दी के प्राध्यापकों और अध्यापकों को मिलते हैं ? दूसरा संस्कृत के अध्यापकों की सर्विस कंडीशन और बाकी जो नियम हैं अगर उसके लिए कोई आचार संहिता मंत्री महोदय ने बनायी है हो तो वे उसको बताने की कृपा करें ।

श्री सभापति : वे पूछरहे हैं कि संस्कृत शिक्षकों को कैसे ही ट्रीट करने को तैयार है जैसे दूसरों को करते हैं । यही है आपका कहना है कि तनख्वाहों आदि में संस्कृत के शिक्षकों के साथ दूसरे शिक्षकों जैसा बराबरी का व्यवहार हो ।

श्री कृष्ण लाल शर्मा : शिक्षा नीति में वस्तुस्थिति क्या है और इस दृष्टि से क्या करने वाले हैं ?

श्री चिमन भाई मेहता : मैं स्वीकार करता हूं कि अभी उनको उनके बराबर नहीं गिना जाता है ।

श्री सभापति : अब देने वाले हो ?

SHRI CHIMANBHAI MEHTA: That is a suggestion for action.

SHRI JAGESH DESAI: What is suggestion for naswer? It is a very serious matter. They are being treated differently as compared to others and the Minister says it is a suggestion for action.

श्री सभापति : उन्होंने मान लिया कि उनके विरुद्ध डिसक्रिमिनेशन है, लेकिन वह डिसक्रिमिनेशन समाप्त करने के बारे में सोचेंगे ।

श्री कृष्ण लाल शर्मा : वह नहीं कहा है ।

श्री वीरेन जे० शाह : आपने जो प्रश्न पूछा था, मंत्री जी से उसका जवाब अभी तक नहीं आया है । आपने कहा कि समानता करने के लिए सोच रहे हैं लेकिन उन्होंने हां या ना कुछ भी नहीं कहा है ।

श्री सभापति : सोच रहे हैं, कहा है ।

SHRI JAGESH DESAI: He said it is a suggestion for action.

श्री सभापति : जो आपने कहा है दुबारा कह दीजिए ।

(व्यवधान)

डा० रत्नाकर पाण्डेय : माननीय सभापति जी, प्रधान मंत्री जी दो बार इस सदन की और चेयर की अवहेलना कर चुके हैं **(व्यवधान)**

DR. G. VIJAYA MOHAN REDDY: Sir, the Question Hour should be continued.

डा० रत्नाकर पाण्डेय : प्रधान मंत्री जी को यह चेतावनी देनी चाहिए कि यह सदन कोई . . . **(व्यवधान)** . . . इनकी सम्पत्ति नहीं है । सदन में जब वे आये तो जब तक चेयर पर आप बैठ हैं तब तक सदन में बैठें और इनको अगर जाना हो तो आपका आदेश ले लें । एक बार मावलंकर जी सभापति थे और नेहरू जी दो मिनट पहले चले गये थे . . . **(व्यवधान)** तो उन्होंने क्षमायाचना की . . **(व्यवधान)** ये अभी चले आ रहे हैं । चेयर की अवमानना हुई है . . . **(व्यवधान)** . .

श्री सभापति : चेयर कहीं नहीं आती है । अब आप बैठ जाये । आप चेयर को कहां से ले आए ।

डा० रत्नाकर पाण्डेय : सदन को आश्वासन दें । इस सदन की अवहेलना नहीं करेंगे, न चेयर की करेंगे । यह आश्वासन मैं चाहूगा । प्रधान मंत्री जी खड़े होकर क्षमायाचना करें आपसे और सदन की तथा चेयर की अवहेलना न करें ।

श्री सभापति : प्रधान मंत्री जी, प्रश्न यहां यह उठा था कि जब प्रश्न होता है, जिससे प्रधान मंत्री संबंधित होता है, उस दिन यह यहां की परिपाटी रही है, पंडित जी के समय से कि प्रधान मंत्री उपस्थित रहे । जवाहरलाल जी, और उन्होंने तो इस हद तक किया है जो मैं लिख चुका हूं कि जब वह बीमार हो गये थे, तो अध्यक्ष ने कहा उनसे कि आप बैठ कर उत्तर दें, उसके बावजूद 1964 में, वह कहिए, एक सम्मान लीडर, प्रधान मंत्री देता है ।

तो वह सम्मान जनतंत्र का है । यह तो बेकार चेयर को ले आए । जनतंत्र के लिए और जनतांत्रिक प्रणाली के लिए अच्छा यही रहेगा कि जब प्रश्न मुख्य प्रधान मंत्री से संबधित हो—

When it concerns the Prime Minister, It will be desirable and I think it is the tradition and a very wholesome tradition, and it should be maintained, that the Prime Minister should be here.

श्री विश्वनाथ प्रताप सिंह : मैं इसका पूरा समर्थन करता हू, और मान्यवर, जब भी मेरा प्रश्नकाल होता है, मैं निश्चित करके आता हूं ।

आज एक विशिष्ट परिस्थितियों के लिए सी० सी० पी० ए० मीटिंग हो रही थी, बहुत गंभीर स्थितियों के लिए, इसलिए थोड़ा सा विलम्ब हुआ । यह कोई नहीं था कि इसलि नहीं—आपने देखा होगा कि जब भी मेरे प्रश्न का समय होता है, मैं रहता हूं और . . .

डा० रत्नाकर पाण्डेय : आपको पूरे समय बैठना चाहिए ।

श्री विश्वनाथ प्रताप सिंह : और यह केवल एक प्रधान मंत्री नहीं, जितने भी प्रधान मंत्री यहां बैठे, उनके सब के लिए यह लागू रहना चाहिए ।

श्री पी० शिव शंकर : आप क्या बात कर रहे हैं ?

Mr. Chairman, Sir, it had been the tradition in the House that if the Prime Minister came late for any reason, he offered an apology. I requested one of your Ministers at least to offer an apology but none of them was prepared to offer an apology. What is this type of Government you are running? They should have at least offered the apology that the Prime Minister is busy. We appreciate that the Prime Minister is busy but the Chair's and the decorum and dignity of the House has to be. maintained.

SHRI VISHWANATH PRATAP SINGH: When I was coming where is the question... *{Interruptions)...*

SHRI P. SHIV SHANKER: No, I am sorry. None of your Ministers was prepared to rise in their seats and offer the apology. This is the worst part of it. It happens that if the Prime Minister has got work, if the Prime Minister has to leave he seeks permission. We appreciate your point. But what about your Ministers? None of them was prepared to respond. What a shame it is!

श्री कृष्ण लाल शर्मा : सभापति जी, मैं सिर्फ इतना निवेदन करना चाहता हूं कि । मेरे दोनों प्रश्नों का उत्तर स्पष्ट नहीं मिला । आप इनसे अनुरोध करें कि सुप्रीम कोर्ट के स्वाल पर और संस्कृत अध्यापक और प्राध्यापक के सवाल पर सरकार एक विस्तृत क्तव्य दे ।

श्री वीरेन जे० शाह : अगले हफ्ते पूरा जवाब दें ।

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : माननीय सभापति जी, संविधान की आठवीं अनुसूची में संस्कृत भी इस देश की एक भाषा है और संस्कृत का प्रचार और प्रसार होना चाहिए, लेकिन यह तभी संभव है जब संस्कृत भाषा पढ़ने की लो कोगों सुविधा होगी ।

उत्तर प्रदेश में एक संस्कृत विश्वविद्यालय है, डा० सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय ।

तो मैं माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि सरकार का इरादा कोई केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय शुरू करने का है ?

श्री सभापति : केन्द्रीय संस्कृत विद्यालय या विश्वविद्यालय ?

(व्यवधान)

हां, तो विश्वविद्यालय बोलिये ना ।

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : विश्वविद्यालय ।

श्री माखन लाल फोतेदार : आप संस्कृति में सवाल पूछिये ।

श्री चिमन भाई मेहता : हां, सर, जो सवाल पूछ गया—युनिवर्सिटी में रीडर्ज लक्चरर्ज, प्रोफेसर्ज . . .

श्री सभापति : यह तो प्रश्नकर्ता की तरफ से दूसरा सवाल आ गया ।

अभी दूसरे प्रश्नकर्ता ने दूसरा प्रश्न कर लिया है ।

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : मान्यवर, मेरा प्रश्न यह है कि . . .

श्री सभापति : आप शर्मा जी के प्रश्न के उत्तर में हैं । आपका पूछना है कि क्या आप एक नया . . .

श्री सत्य प्रकाश मालवीय: हमारे देश का जो संविधान है, उसकी आठवीं सूची में एक भाषा संस्कृत है और संस्कृत भाषा का प्रचार और प्रसार होना चाहिए ।

इसी दृष्टि से उत्तर प्रदेश सरकार ने वाराणसी में संस्कृत का जो विश्वविद्यालय डा. सम्पूर्णानन्द के नाम पर स्थापित किया था . .

श्री सभापति : आपकी बात हो गई कि अब...

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : उन्होंने सुना नहीं था । अब मैं प्रश्न पूछ रहा हूं ।

श्री सभापति : मैंने शार्ट में कह दिया है कि दूसरा ....

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : क्या सरकार का इरादा कोई संस्कृत विश्वविद्यालय स्थापित करने का है या नहीं है? अगर नहीं है, तो क्या मेरे सुझाव पर सरकार विचार करेगी ?

श्रीचिमन भाई मेहता : एक संस्कृत गोर्ड तो केन्द्रीय लेवल पर है और ... **(व्यवधान)**

श्री सभापति : बोर्ड और विश्वविद्यालय अलग-अलग चीज होती हैं ।

श्री चिमन भाई मेहता : और विद्यापीठ भी है ।

श्री सभापति : विद्यापीठ नहीं, विश्व-विद्यालय ।

श्री चिमन भाई मेहता : डीम्ड यूनिवर्सिटी दो हैं । एक तिरुपति में... **(व्यवधान)**

श्री सभापति : नहीं, वह आगे का पूछ रहे है ?

श्री चिमन भाई मेहता : हां विश्व-विद्यालय ही तो माना जाता है ।

श्री सभापति : नहीं, आगे क्या आप नया विश्वविद्यालय संस्कृत का स्थापित करने का विचार कर रहे हैं या करेंगे दैट्स आल, छोटा सा सवाल है ?

श्री चिमन भाई मेहता : अभी वह केन्द्रीय जो यह जो दिल्ली में है... **(व्यवधान)**

श्री सभापति : वह उनको सब मालूम है ।

श्री चिमन भाई मेहता : मालवीय जी ने विश्वविद्यालय के बारे में किया है।

श्री सभापति : अभी आपके यहां से, आप लोगों ने, केन्द्र ने रुपया भी सैंक्शन कर दिया है ।... **(व्यवधान)**...

डा० रत्नाकर पाण्डेय : प्रधान मंत्री जी जवाब दें ।... **(व्यवधान)**

श्री विश्वनाथ प्रताप सिंह : मान्यवर, संस्कृत अपनी एक बहुत प्रमुख और सम्मानित भाषा है । ... **(व्यवधान)**...

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : भाषाओं की मां है ।

श्री विश्वनाथ प्रताप सिंह : यह जो मालवीय जी ने सुझाव दिया है उस पर हम लोग विचार करेंगे ।

श्री अजीत जोगी : मान्यवर, संस्कृत भारत की अधिकांश भाषाओं की जननी है इसलिए त्रिभाषा समीकरण, थ्री लैंग्वेज फार्मूला के संबंधप में संस्कृत का क्या स्थान है और शासन का उस विषय में क्या दृष्टिकोण है ? यह म जानना चाहता हूं विशेषकर यह कि क्या त्रिभाषा फार्मूले में संस्कृत भी कोई छात्र ले सकता है ऐसा आपके त्रिभाषा फार्मूले में प्रावधान है और अगर नहीं है तो क्या प्रावधान करने की कोशिश की जाएगी ?

श्री चिमन भाई मेहता : 1964 में जब नेशनल कंसेंसज थ्री लैंग्वेज पर बना तब उसमें हिन्दी, इंग्लिश और रिजनल लैंग्वेजज का प्रावधान है, संस्कृत का नहीं है ।

श्री अजीत जोगी : अगर नहीं है तो क्या रखेंगे, इस पर आप विचार करेंगे, यह मैंने पूछा है ?

श्री चिमन भाई मेहता: वह तो हमने पहले ही कहा जब पहला प्रश्न पूछा गया कि सोचा जाएगा ।... **(व्यवधान)**

श्री सभापति : पुराना एक सवाल है कि यह जो शैड्यूल्ड लैंग्वेजेज हैं उनमें क्या आप संस्कृत को अलग कर रहे हैं 8वें शेड्यूल में, आठवीं अनूसूची में... **(व्यवधान)**...

श्री चिमन भाई मेहता : ट्राइ-लिंग्यूल फार्मूला के बारे में पूछ रहे थे ।

श्री सभापति: उसी में यह भारत की सब भाषाओं को आपने रखा केवल संस्कृत को आप उसमें से निकाल रहे हैं, क्या यह सही है ...**(व्यवधान)**...संविधान की बात कर रहा हूं ।

श्री चिमन भाई मेहता : हम निकाल नहीं रहे हैं । उस शेड्यूल में से निकालने की बात है ही नहीं ।

श्री सभापति : सवाल यह है कि आठवें शेड्यूल में इतनी भाषाओं की चर्चा है उनमें से सब को तो आपने थ्री लैंग्वेज फार्मूला में रखा है संस्कृत के साथ आप उससे अलग रखने का विचार है क्या ?

श्री चिमन भाई मेहता : अलग रखने की कोई बात नहीं है । इसलिए तो पहले भी कह कि सोचा जाएगा । ...**(व्यवधान)**..

डा० रत्नाकर पाण्डेय : किताब में है । ...**(व्यवधान)**

श्री सभापति : यह जोगी जी का सवाल है तो उस को मैंने रख दिया ।..**(व्यवधान)**

डा० रत्नाकर पाण्डेय : माननीय प्रधान मंत्री जी इस का जवाब दें ।...**(व्यवधान)**

श्री सभापति : यदि आप सारे लोग ऐसा करेंगे...**(व्यवधान)**... पहले ही काफी देर हो गई है इस सवाल में अब नहीं तो इस को बंद करना पड़ेगा । ...**(व्यवधान)**

SHRI A. G. KULKARNI: Sir, this is unequal because you are a Pandit of Sanskrit. *(Interruptions).*

MR. CHAIRMAN: No, I am not. I am not a Pandit. *(Interruptions).*

SHRI A. G. KULKARNI: You are asking him a question. How can he reply?

MR. CHAIRMAN: I can assure you, I am neither a Pandit of Sanskrit nor a scholar of Sanskrit. But I am a student of Constitutional Law. *(Interruptions).*

SHRI VIREN J. SHAH: He is asking in relation to trilingual formula. *(Interruptions).*

MR. CHAIRMAN: I know it. You are answering on trilingual formula. Now, while in trilingual formula all the languages will be included, are you thinking of excluding Sanskrit? That is a simple question. *(Interruptions).* I know what you are saying. In the trilingual formula, you have included everything except Sanskrit. That is all. Is it true? You have included every language except Sanskrit. Is it true? I want to tell you that a retired Chief Justice of India, the last Chief Justice of India, had himself raised this issue.

SHRI VISHWANATH PRATAP SINGH: Sir, when the tri-lingual formula was adopted by the previous Government after much thought and consideration, this issue was raised and I also remember.... *(Interruptions).*

श्री शमीम हाशमी : संस्कृत की बात संस्कृत में कहें...**(व्यवधान)**...

MR. CHAIRMAN: Everybody is entitled to speak in English. I myself am speaking in English.

श्री विश्वनाथ प्रताप सिंह : मैं उनका बहुत आभारी हूं कि उन्होंने टोक दिया और ठीक टोक दिया है ।

SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI: You should not succumb to Hindi fanatics.

SHRI S. S. AHLUWALIA: What are you talking? *(Interruptions).*

MR. CHAIRMAN: Please sit down. Will you all take your seats? Please take your seats. *(Interruptions).*

SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI: You want to dominate non-Hindi-speaking people. *(Interruptions).*

MR. CHAIRMAN; I want to make it clear in this House that a Member is free to speak in English and Hindi.

as I told you, I am all the time speaking in English and as you know, I have decided that I will continue to speak in English—I announced it here—till Mr. Aladi Aruna, who is no more a Member—I hope he will be again here—asks me to speak, in Hindi, or now I can say, till Mr. Gopalsamy asks me to speak in Hindi.

SHRI S. S. AHLUWALIA: He should withdraw his word. He said 'Hindi fanatics'. We are not fanatics. He has used a bad word. Either it should be expunged from the record or he should •withdraw it.

MR. CHAIRMAN: It is not unparliamentary.

SHRI S. S. AHLUWALIA: This is not fair. H_e is saying 'Hindi fanatics'.

MR. CHAIRMAN; We can b_e fanatics for anything. I am a fanatic for democracy. I am myself a fanatic. If it is a bad word, I accept that I am a fanatic for moral values and ethical values in the country. You are also a fanatic for moral and ethical values, I *xm* sure

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : सभापति जी, आपको फैनेटिक नहीं होना चाहिए, लिबरल होना चाहिए ।

SHRI S. S. AHLUWALIA: This is not fair.

MR. CHAIRMAN: Nothing is wrong. I am a fanatic for democracy. I am a fanatic for moral and ethical values. 1 accept to be a fanatic.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : डेमोक्रेटिक आप हैं और फैनेटिक भी—दोनों साथ-साथ कैसे चलेंगे ?

श्री सभापति : : उसमें शायद कभी-कभी मेरा . . . (**व्यवधान**) . . . हो जाता हो, चिंतन ठीक न रहता हो, एक कमजोरी रहती हो, वह कमजोरी हम में भी है । आप की हिंदी के लिए चिल्लाना कमजोरी है, तो अच्छा है ।

SHRI VIREN J. SHAH: Sir, half an hour has passed. You have called me once.

Question No. 262.

श्री सभापति : आप बता दीजिए, 33 मिनिट हो गए हैं, अगर आप इस पर हाफ एन अवर डिस्कस चाहते हैं, तो मैं इस पर विचार करूंगा ?

SHRI VIREN I. SHAH: I have a supplementary on the question, "Sir.

श्री सभापति : आधे घंटे का डिस्कस मांग रहे हैं ?

*262. *[The questioner {Shri G. G. Swell) was absent. For answer* vide *col.* 38 infra.]

Successful test firing of "Akash"

*263. SHRI SYED SIBTEY RAZI: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the most modern medium range surface to air missile "Akash" has been successfully test-fired recently;

(b) if so the details thereof;

(c) what are the highlights of this missile; and

(d) in what way this missile 'would be useful for defence forces of.. the country?.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE (DR. RAJA RAMANNA) (a) Yes, Sir.

(b) The ballistic flight test of 'Akash' missile was successfully carried out on 14-8-90 from Interim Test Range Balasore in India. All the mission objectives were fully achieved.

(c) 'Akash' is a medium range surface-to-air missile system with capability to take on multiple air-borne targets, trying to attack a defended area. The missile has dual mode guidance and uses the modern phased array radar.